

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI



Hindi Vidya Prachar Samiti's

Ramniranjan Jhunjhunwala College

Of Arts, Science & Commerce

(Empowered Autonomous College)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for the T.Y.B.A

Program: B.A. HINDI

Program Code: RJMAJHIN

National Education Policy (NEP 2020)

Level 4.5

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI
DISTRIBUTION OF TOPICS AND CREDITS

TYBA Hindi Semester V

Paper Name: Literary Criticism: Prosody & Rhetorics

<u>Course code</u>	<u>Nomenclature</u>	<u>Credits</u>	<u>Topics</u>
RJMAJHIN352	साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार (Literary Criticism: Prosody & Rhetorics)	4	1. साहित्य की परिभाषा (भारतीय और पाश्चात्य) और स्वरूप 2. कला 3. काव्य के रूप 4. छंदों के लक्षण तथा सामान्य परिचय

TYBA Hindi Semester VI

Paper Name: Literary Criticism: Prosody & Rhetorics

<u>Course code</u>	<u>Nomenclature</u>	<u>Credits</u>	<u>Topics</u>
RJMAJHIN362	साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार (Literary Criticism: Prosody & Rhetorics)	4	१. शब्दशक्ति (अर्थ, परिभाषा और प्रकार) २. रस (अर्थ, स्वरूप और रस के विविध अंग) ३. नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास और अन्य गद्य विधाओं का सामान्य परिचय) ४. अलंकारों के लक्षण और सामान्य परिचय

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI
Course Outcome and Learning Outcome

Paper – DSC - II

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs) FOR B.A. HINDI

Sr. No.	A student Specific completing B.A. Hindi will able to:
PSO1	विषय का ज्ञान साहित्य के विभिन्न रूपों, विधाओं, कालखंड और आंदोलनों की पहचान करना, उनके बारे में चर्चा करना तथा आलेख लिखने की योग्यता। भाषा वैज्ञानिक और शैलीगत विविधताओं को समझने की योग्यता। साहित्यको पढ़ने के उपरांत समीक्षात्मक दृष्टि से स्थानीय और वैश्विक संदर्भों को जानने की उत्सुकता का विकास। संप्रेषण कौशल साहित्यिक, अकादमिक और बोलचाल की हिंदी को बोलने और लिखने के कौशल का विकास। पढ़ने और सुनने के कौशल का विकास।
PSO2	आलोचनात्मक दृष्टिकोण पढ़ने के पश्चात आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास। तुलनात्मक दृष्टि से अन्य भाषाओं के साहित्य के पुनरावलोकन का विकास। ऐतिहासिक संदर्भों में पाठ निर्धारण करने की योग्यता। विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टि का विकास श्रेष्ठ साहित्य की विशेषता और कमजोरियों का विश्लेषण करने की योग्यता। तार्किक रूप से साहित्य के अनुशीलन की योग्यता। समीक्षा के नए बिंदुओं के अन्वेषण की योग्यता। अनुसंधान कौशल समस्याओं को खोजने की योग्यता। शोध परिकल्पना और प्रश्नांकन की योग्यता ताकि जिज्ञासाओं का विभिन्न उत्तरों के माध्यम से शमन किया जा सके। शोध-पत्र हेतु योजना बनाना और शोध-पत्र लिखने की योग्यता। वैचारिक स्पष्टता अध्ययन के उपरांत साहित्य के संबंध में वैचारिक दृष्टि का विकास। दूसरे विचारों का साहित्य पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन। स्थानीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की वैचारिकी से परिचय।
PSO3	समूह कार्य और समय प्रबंधन कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में सकारात्मक रूप से प्रतिभाग करने की

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI

	योग्यता। समूहकार्य में योगदान करने की रुचि।
PSO4	नैतिक और सामाजिक मूल्य सामाजिक मूल्यों को स्पष्ट रूप से समझने के कौशल का विकास। नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता और उनके प्रचार-प्रसार के लिए रुचि उत्पन्न होने की संभावना का विकास। साहित्य के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समस्याओं/संदर्भों जैसे - पर्यावरण, धर्म, राजनीति, समाज आदि को जानने-समझने की जिज्ञासा का विकास। बहुसांस्कृतिकता विभिन्न भाषाओं (भारतीय एवं विदेशी) के साहित्य के अध्ययन के द्वारा सांस्कृतिक बहुलता को जानने के प्रति रुचि। विभिन्न विविधताओं को स्वीकार करने की क्षमता का विकास। बहुसांस्कृतिकता को आत्मसात करने की योग्यता।
PSO5	संवाद और भाषिक कौशल रसास्वादन क्षमता
PSO6	डिजिटल साक्षरता सूचना एवं तकनीकी कौशल से परिचय। तकनीकी उपकरणों का विधिवत उपयोग करने की योग्यता का विकास।

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI

SEMESTER	:	V CORE SUBJECT
TITLE OF THE SUBJECT/COURSE	:	Paper- DSC -II: Literary Criticism: Prosody & Rhetorics
COURSE CODE	:	RJDSCHIN352
CREDITS	:	4
DURATION	:	60 LECTURES

LEARNING OBJECTIVES	
1	साहित्य की परिभाषा, स्वरूप, तत्व, हेतु व प्रयोजनों को स्पष्ट करना।
2	कला व साहित्य के अंतर व सम्बन्धों पर प्रकाश डालना।
3	काव्य के विविध रूपों को स्पष्ट करना।
4	छंद का परिचय और सैद्धांतिकी को स्पष्ट करना।
5	काव्य शास्त्रीय साधनों के आधार पर रचनात्मकता को बढ़ावा देना।

COURSE OUTCOME NUMBER	On completing the course, the student will be able to:	PSO Addressed	BLOOMS LEVEL
CO1	विद्यार्थियों को साहित्य के तत्व, हेतु तथा प्रयोजन का ज्ञान प्राप्त होगा.	1	BT Level I, II remember, understand
CO2	कला और साहित्य के संबंध का ज्ञान प्राप्त होगा.	1, 3	BT level II and III Understand and apply
CO3	महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य और गीतिकाव्य के तत्व और विशेषताओं का ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होगा.	1,5	BT Level I, II remember, understand
CO4	मात्रिक और वार्णिक छंदों के लक्षण और उदाहरणों के ज्ञान से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे.	1,3,5	BT level II, III Understand, apply
CO5	विद्यार्थियों में भाषिक और व्याकरणिक कौशल्य का विकास होगा।	1,3,5	BT level II, III, IV Understand, apply, Analyse

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI

SEMESTER V (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper- DSC - II : Literary Criticism: Prosody & Rhetorics (साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार)	Paper Code: RJDSCHIN352	60	4
इकाई - 1		15	
साहित्य : (क) साहित्य की परिभाषा (भारतीय और पाश्चात्य) और स्वरूप (ख) साहित्य के तत्व (ग) साहित्य के हेतु (घ) साहित्य के प्रयोजन (केवल भारतीय)			
इकाई - 2		15	
कला : (क) परिभाषा और वर्गीकरण (ख) कला का साहित्य के साथ संबंध			
इकाई - 3		15	
काव्य के रूप : महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य और गीति काव्य के तत्व व विशेषताएँ.			
इकाई - 4		15	
छंद : छंदों के लक्षण तथा उनका सामान्य परिचय (क) मात्रिक छंद : 1) दोहा 2) चौपाई 3) सोरठा 4) रोला 5) हरिगीतिका . (ख) वार्णिक छंद : 1) इंद्रवज्रा 2) शार्दूलविक्रीडित 3) भुजंगप्रयात 4) द्रुतविलम्बित 5) कवित्त.			

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI

SEMESTER	:	VI CORE SUBJECT
TITLE OF THE SUBJECT/COURSE	:	Paper- DSC- II: Literary Criticism: Prosody & Rhetorics
COURSE CODE	:	RJDSCHIN362
CREDITS	:	4
DURATION	:	60 LECTURES

LEARNING OBJECTIVES	
1	शब्दशक्ति, रस के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट करना।
2	गद्य साहित्य के तत्वों पर प्रकाश डालना।
3	अलंकारों का परिचय और सैद्धांतिकी को स्पष्ट करना।
4	काव्य शास्त्रीय साधनों के आधार पर रचनात्मकता को बढ़ावा देना।

COURSE OUTCOME NUMBER	On completing the course, the student will be able to:	PSO Addressed	BLOOMS LEVEL
CO1	शब्दशक्ति का परिचय तथा उसके प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा.	1	BT Level I, II remember, understand
CO2	रस तथा उसके विविध अंगों के परिचय से रसास्वादन क्षमता विकसित होगी.	1, 3,5	BT level II and III Understand and apply
CO3	गद्य के विविध विधाओं के तत्व और विशेषताओं का ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होगा.	1,5	BT Level I, II remember, understand
CO4	शब्दालंकार और अर्थालंकार के लक्षण और उदाहरणों के ज्ञान से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे.	1,3,5	BT level II, III Understand, apply
CO5	विद्यार्थियों में भाषिक और व्याकरणिक कौशल्य का विकास होगा।	1,3,5	BT level II, III, IV Understand, apply, Analyse

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI

SEMESTER VI (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper- DSC- II: Literary Criticism: Prosody & Rhetorics (साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार)	Paper Code: RJDSCHIN362	60	4
इकाई - 1		15	
	1. शब्द शक्ति : अर्थ और परिभाषा 2. शब्द शक्ति के प्रकार : अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय		
इकाई - 2		15	
	1- रस का अर्थ तथा स्वरूप 2- रस के विविध अंग		
इकाई - 3		15	
	1- नाटक के सामान्य तत्व 2- निबंध के सामान्य तत्व 3- कहानी के सामान्य तत्व 4- उपन्यास के सामान्य तत्व 5- आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण एवं रेखाचित्र का सामान्य परिचय		
इकाई - 4		15	
	अलंकारों के लक्षण और सामान्य परिचय (क) शब्दालंकार : 1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) वक्रोक्ति 5) वीप्सा (ख) अर्थालंकार : 1) उपमा 2) रूपक 3) उत्प्रेक्षा 4) अतिशयोक्ति 5) विरोधाभास 6) भ्रान्तिमान		

T.Y.B.A. Hindi DSC – II Syllabus Semester V & VI

संदर्भ ग्रंथ सूची

सेमेस्टर -V

प्रश्नपत्र - DSC - II

- 1- साहित्य सहचर - हजारी प्रसाद द्विवेदी - द्वितीय संस्करण - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- 2- भारतीय साहित्य शास्त्र- आचार्य बलदेव उपाध्याय - प्रथम संस्करण-नंदकिशोर एंड संस प्रा. लि. वाराणसी.
- 3- समीक्षा लोक -प्रा. भागीरथ दीक्षित -प्रथम संस्करण- समुदय प्रकाशन, मुम्बई.
- 4- भारतीय साहित्य शास्त्र - गणेश त्रयंबक देशपांडे -प्रथम संस्करण- पॉपुलर प्रकाशन, मुम्बई
- 5- काव्य प्रदीप - रामबहोरी शुक्ल-42 वां संस्करण- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

- 1- मार्क्सवाद – यशपाल -पहला संस्करण - 2017 - लोकभारती प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.
- 2- हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र -संस्करण -2011 -भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-110003.
- 3- भारतीय पत्रकारिता कोश- विजय दत्त श्रीधर -संस्करण-2008-वाणी प्रकाशन-21-A-दरियागंज, नई दिल्ली -110002.

संदर्भ ग्रंथ सूची

सेमेस्टर -VI

प्रश्नपत्र - DSC - II

- 1- रस मीमांसा -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल -प्रथम संस्करण - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी.
- 2- आधुनिक साहित्य : सृजन व समीक्षा - आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी -प्रथम संस्करण- दि मैकमिलन कंपनी लि. दिल्ली.
- 3- साहित्य सहचर - हजारी प्रसाद द्विवेदी - द्वितीय संस्करण - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
- 4- भारतीय साहित्य शास्त्र- आचार्य बलदेव उपाध्याय - प्रथम संस्करण-नंदकिशोर एंड संस प्रा. लि. वाराणसी.
- 5- समीक्षा लोक -प्रा. भागीरथ दीक्षित -प्रथम संस्करण- समुदय प्रकाशन, मुम्बई.
- 6- भारतीय साहित्य शास्त्र - गणेश त्रयंबक देशपांडे -प्रथम संस्करण- पॉपुलर प्रकाशन, मुम्बई
- 7- काव्य प्रदीप - रामबहोरी शुक्ल-42 वां संस्करण- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
- 8- समकालीन आलोचना विमर्श - अवधेश कुमार सिंह -प्रथम संस्करण-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.